Establishment of Bakeries

4185. SHRI JAGDISH TYTLER: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have called for the development of small semi-automatic or fully automatic bakeries in the country;

(b) if so, the incentives proposed by Government for the development of these small bakeries; and

(c) whether this would not adversely affect the more developed and well mechanised larger bakeries?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA): (a) Yes, Sir.

(b) The incentives provided to the small scale sector are also available to the small bakeries;

(c) No, Sir. Since manufacture of bread and biscuits has been reserved, increase in capacity has to take place only in the small scale sector to meet growing demand for these items.

Inclusion of Mangalore and Bantwal Taluks in Dakshina Kannada

4186. SHRI OSCAR FERNANDES: Will the Minister of PLANNING be pleased to state:

(a) whether Government of Karnataka has proposed to the Government of India for inclusion of Mangalore and Bantwal Taluks in Dakshina Kannada District for inclusion in Western Ghat Project area; and

(b) if so, what action the Government of India has taken in the matter?

THE MINISTER OF PLANNING (SHRI S. B. CHAVAN): (a) Yes, Sir.

(b) The Planning Commission examined the proposal and did not accept the inclusion of Mangalore and Bantwal Taluks of Dakshina Kannada under Western Ghats Development Programme.

इण्डोनेशिया के साथ औद्योगिक समझौता

4187. **श्री निहाल सिंह** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत और इण्डोनेशिया के बीच हुए औद्योगिक समझौते का ब्यौरा क्या है; और

(ख) यह समझौता किस तिथि से लागू होगा ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चरणजीत चानना) : (क) तथा (ख). दोनों देशों के बीच मंत्री स्तर की द्विपक्षीय यात्राओं के दौरान भारत और इण्डोनेशिया के बीच औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने की सम्भावनाओं का पता लगाया गया है और इन में निम्नलिखित सम्मिलित हैं :—

(1) भारत द्वारा छर्रों (पेलिट्स की सप्लाई और स्पंज लोहे की खरीद ।

(2) विद्युत् संयंत्रों और वैद्युत् उपकरण निर्माण एककों का निर्माण ।

(3) इण्डोनेशिया में रेल-विकास और रेलवे रोलिंग स्टाक का सम्भरण ।

(4) इण्डोनेशिया में टूल-रूम व प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना ।

(5) मशीनी औजारों, मोटरगाड़ी के सहायक सामान और घड़ियों जैसी वस्तुओं के निर्माण हेतु इण्डोनेशिया में औद्योगिक एककों की स्थापना ।

(6) सीमेंट संयंत्रों, लुगदी तथा कागज परियोजनाओं, चीनी संयंत्रों, पेट्रो-रसायन उद्योग के निर्माण में सहभागिता और इण्डोनेशिया को धातु-कार्मिक उपकरणों की सप्लाई ।

2. इन प्रस्तावों के परिणामस्वरूप कुछ औद्योगिक परियोजनाओं के संबंध में विशिष्ट करार किए गए हैं । प्रोजेक्ट्स एण्ड इक्विपमेंट